The Festival of Leftovers

The fish bones, chewed parts of the fish,

The branchiae of fish etcetera—

The wastes after my dinner.

I dumped them in the corner of the road,

The street cat had it as she liked,

The crow flew away with a branchiae

In the faraway blue sky.

The flock of sparrows came giggling—

It was a festival with each grain of rice.

The black ant is crossing the road fast

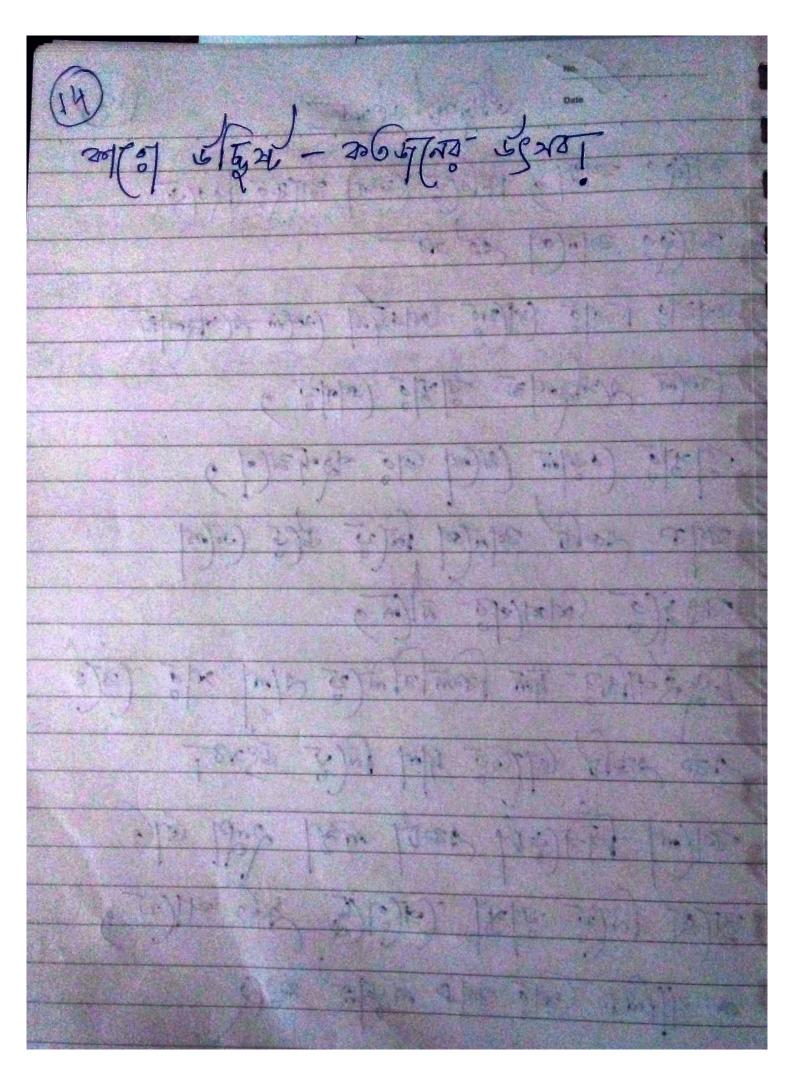
With a long yellow grain of rice.

The Indian Myna and the crow are fighting

Regarding who will eat first!

Somebody's leftovers – a festival to so many!

W who 2 - 4 5 x8 अपिक अपूर्व विविद् रिक्स अपिक विविद् अपिक के अपिक वर्ष अव स्त्रिक् क्षित्र (मिट्ट क्षिक्ष क्षित्र ्रिव्य प्रशिव्य का क्षेत्रीं (यापीरी) वाश्राह (वश्राम (भ्राम जिंह के मुभीवा) अवस् यनि अवस्ति विष्य भिन्न प्रदेश (भीकर्ष 28 \$ (0 Colon(x13- 1) (m) क्रिक्न नाम क्रमार्गिक प्रमा क्रमार्गिक प्राप्त प्राप्त A का तकरि ब्रिटिट मान निर्द रहेश्या व्याला विविधित तकारी सकी वसी हि अशि प्रिं अशि (बिशिषि कि अरि क स्नी त्यक त्यह उक्क प्रमेंड केंदि 130 M(म इमार्चा



बचे हुए भोजन का उत्सव

मछली के काटें,

खाए हुए मछली के छिलके,

मछली के बचे हुए हिस्से

डिनर के बाद ये सारे कचड़े,

सड़क किनारे फेककर आया था,

रास्ते की बिल्लियों ने पसंदानुसार उसका सेवन किया।

कौआ एक हिस्सा लेकर उड़ गया।

दूर गगन की नीलिमा से होते हुए,

गौरैयों का झुण्ड आया चहकते हुए,

चावल के एक एक दाने को लेकर मानो त्यौहार मनाया जा रहा है।

काली चींटी एक लम्बा पीला दाना मुँह में लेकर,

तेज़ गति से सड़क पार करने लगी।

मैना और कौवे लड़ रहे हैं,

कौन पहले खाएगा,

किसी का बचा हुआ भोजन, किसी के लिए है त्यौहार 1